RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 44 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 8 अप्रैल 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

सीमान्त क्षेत्र में प्राचीन धार्मिक दर्शनीय स्थल

चुनावी रेलपेल में उलझी जनता को सुलझाना है मामला

उत्तराखण्ड की पाँचों सीटों पर रोचक मुकाबला बनता जा रहा है

स्टार प्रचारकों को उतार कर माहौल बनाने की जुगत में लगे हैं दल

भाजपा-कांग्रेस के बीच ही नज़र, अन्य दल अटके-लटके-भटके

भ्रष्टाचार, अंकिता हत्याकाण्ड सहित तमाम मुद्दों पर बरस रहे हैं नेता

चुनाव मैदान में युवाओं का जोर, इस बार से बदल जाएंगे सारे गणित

कार्यालय प्रतिनिधि

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावी रेलपेल में जनता यह नहीं समझ पा रही है कि भाग्य विधाता बनने का दावा करने वाले नेता और पार्टियां क्या कर रही हैं। स्टार प्रचारकों को बुलाकर अपने पक्ष में माहौल बनाने के अलावा पार्टियों द्वारा और ऐसा क्या किया जा रहा है कि जिसे उनकी उपलब्धि कहें? लेकिन पार्टियां हैं कि सत्ता में आने की जिद। भाजपा माहौल बना रही है 'इस बार 400 पार'। इसके लिये पूरी ताकत पार्टी की लग चुकी है। कमजोर विपक्ष भी अपनी रणनीति के साथ भारी दिखाई दे रहा है। उसका नारा है 'इस बार परिवर्तन करना है'। देश की राजनीति में उत्तर-दक्षिण, मन्दिर, कश्मीर, ईडी का जाल, सहित अन्य पर सबका ध्यान किया जा रहा है और मतदाता भी इसमें चर्चा कर रहे हैं।

बात उत्तराखण्ड की करें तो यहाँ माहौल एकदम चरम प्रचार का बन चुका है। प्रदेश की पाँचों सीटों पर रोचक मुकाबला बनता रहा है। पर्वतीय प्रदेश में भी स्टार प्रचारकों की लाइन लग चुकी है। कुल पाँच सीटों को भी अपने पाले में करने के लिये सर्वाधिक स्टार प्रचारक भाजपा की ओर से उतारे गये हैं। माहौल बनाने के लिये विपक्ष की ओर से भी बड़े नेता आ रहे हैं। इनमें कांग्रेस की ओर से ज्यादा ताकत लगाई गई है। प्रत्याशियों की मांग पर बड़े नेता दौड़ लगा रहे हैं। ऐसे में सभी नज़र भाजपा-कांग्रेस की ओर है। भाजपा से मोदी, कांग्रेस से राहुल, बसपा से मायावती जैसी बड़ी नेता उत्तराखण्ड में बात करने उत्सुक हैं। अन्य दलों की हालत अटके-भटके- लटके जैसी दिखाई दे रही है। पर्वतीय प्रदेश की बात करने वाले उत्तराखण्ड क्रान्तिदल ने आवाज उठाई है लेकिन लोकसभा के भवसागर में डगर बहुत कठिन है। बसपा जैसी बड़ी पार्टी के हालात भी संवर नहीं पाए। हरिद्वार सीट पर खूब हो हल्ला करने वाली नेता भावना पाण्डे ने ठीक मौके पर बसपा छोड़ दी। सभी बड़े नेताओं को गरियाने वाली भावना पाण्डे का लक्ष्य वही जान सकती हैं। बढ़ते चुनाव प्रचार के साथ कई नेता पार्टी बदल कर अपना हित साधने में लगे हैं। हल्द्वानी की ब्लाक प्रमुख रूपा देवी, भवाली के निवर्तमान पालिकाध्यक्ष संजय वर्मा नामांकन के दौरान भाजपा में शामिल हो गये। गौलापार के पूर्व प्रधान ललित आर्य, कैप्टन देव राम सहित कई समर्थक भी भाजपा की सदस्यता ले चुके हैं। लालकुआ नगर कांग्रेस अध्यक्ष गुरदीप सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद कांग्रेस ने भुवन पाण्डे को अपना नगर अध्यक्ष नामित कर दिया है।

उत्तराखण्ड के तमाम मसलों पर नेता बोल तो रहे हैं लेकिन.....। भ्रष्टाचार, अंकिता हत्याकाण्ड सहित तमाम मुद्दों पर नेता बरस रहे हैं। गढ़वाल की सीटों पर इन मुद्दों पर माहौल भी कुछ बनता जा रहा है। चुनाव मैदान में युवाओं का जोर दिखाई दे रहा है। भाजपा-कांग्रेस की ओर से जिस प्रकार टिकट बंटवारा किया गया है उसे देख भी समझा जा सकता है कि आने वाले दिनों की राजनीति बहुत आक्रमक होने जा रही है। साथ ही इस बार के चुनाव के साथ ही सारे चुनावी गणित बदल जाएंगे। बड़े नेताओं के भ्रम टूटने और नए उभर रहे नेताओं को राह मिलेगी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि भाजपा चुनाव जीतने के लिये जिस तरह के हथकण्डे अपना रही है उससे लोकतन्त्र कमजोर हो रहा है। सत्ता में बने रहने के लिये भाजपा आपरेशन लोटस के भरोसे है। भय का वातावरण बनाया गया है और मुकदमे, भय, लालच में फंसा कर अशान्ति की गई है। भाजपा जिन्हें भ्रष्ट कहती रही, अब उन्हें अपने साथ सम्मिलित कर दोहरा चरित्र दर्शा रही है। जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाने को प्रदेश में ध्रुवीकरण हो रहा है।

पांचों सीट भारी अन्तर से जीतेंगे : धामी

मुख्यमंत्री हरीश धामी ने हल्द्वानी में पत्रकारों से बातचीज में कहा भाजपा प्रदेश की पांचों सीट भारी अन्तर से जीतेगी। वैसे भी इस बार हार-जीत नहीं बल्कि 400 पार की चर्चा हो रही है। धामी अपने प्रवास में सुबह की घुमाई करते हुए फीडबैक ली।

श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वालों को वोट नहीं

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाली पार्टी को देवभूमि की जनता का

शेष पृष्ठ 3 पर

क्वीरीजिमिया का द्योल ढुङ

जगदीश सिंह बृजवाल

जहाँ त्रिदेव के रूप में एक साथ भीमकाय पाषाण खण्ड , खुबसूरत जलाशय, (कुण्ड) बालचन देवता का प्राचीन काल से ही पाषाण निर्मित मन्दिर प्रतिष्ठापित है। इस स्थल का जुड़ाव अवश्य ही अतीत में भी धार्मिक आस्था से है। देवल पाषाण खण्ड का शाब्दिक अर्थ 'देवताओं का पत्थर' से है। जिस पावन पाषाण की पवित्रता आज के सात्विक पूजा विधि-विधान से स्पष्ट दृष्टिगोचर होती हैं। प्रतिवर्ष बैशाख पूर्णिमा को पूजा पाठ के लिए श्रृद्धालु द्योल ढुङ पहुँचते हैं। जहाँ पहुँचने पर श्रृद्धालुओं के तन-मन में अलौकिक शक्ति की अनुभूति होती है।

मुनस्यारी तहसील मुख्यालय मुख्यालय से उत्तर दिशा की की ओर जोहार मोटरमार्ग के चिलमधार से लगभग 2 किमी दूरी पश्चिम की ओर लिंक मोटरमार्ग से क्वीरी + जिमीया = क्वीरीजिमिया है भारत-तिब्बत सीमा का भी अन्तिम स्थाई गाँव है। यह तहसील मुख्यालय से लगभग 15 किमी की दूरी पर है, जहाँ तक मोटरमार्ग द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है। क्वीरी गाँव के पश्चिम दिशा की ओर घने जंगलों से कुछ चढ़ाई चढ़ते पैदल मार्ग से लगभग 4 किमी दूरी पर द्योल ढुङ. अवस्थित है। जहाँ पहुँचने पर आश्चर्य व अद्भुतता का दर्शन होता हैं। तीन आश्चर्य अवस्थित तीनों का देवत्व के रूप में सदियों से पूजा-अर्चना की जाती है।

क्वीरीजिमिया शब्द में दो गाँवों का समुच्चय बोधक सम्बन्ध स्थापित है। पूर्व मे आने वाला गाँव जिमिया जहाँ के मूल निवासी जिमियाल अब वर्तमान में एक भी परिवर का वसासत यहाँ नहीं है। कालान्तर में ये सब नामिक गाँव के अतिरिक्त अन्य गाँव में विस्थापित हो गये हैं।

जिमियाल जाति के गाँव छोड़ने की जो कहानी के पीछे का राज आज भी लोगों के बीच प्रचलित है। जिमियाल बरपटिया जनजाति जो मुनस्यारी के भी मूल जनजातियो में से एक है, अपने जनजाति लोकदेवता भरारी देव की पूजा-अर्चना करते थे। कारण बस, कुछ दिनों पश्चात उनके कोपभाजन के शिकार भी हो गये थे। लोगो का कथन है कि मन्दिर के पास स्थिति केमू (शहतूत) के बड़े पेड़ के बीचों-बीच लोहे की कील गाढ़ दिया था। जिनका मकसद पेड़ को बढ़ने से रोका जाना था। भरारी देव को यह कार्य रास न आया जिमियालों में खुजली की बीमारी का प्रकोप फैल गया। जिनको मजबूरी में गांव छोड़ने को भी मजबूर होना पड़ा था। दिवास्वप्न भविष्य में इस गाँव का अस्तित्व मिट जायेगा। आज जीमिया का जमीदोज होना तथा जिमियालो का एक भी परिवार अपने मूल स्थान पर न मिलना, कुछ तो संशय पैदा करता है। आज भी साक्ष रूप में केमू (शहतूत) का पेड़ मोटरमार्ग पर हरा-भरा मौजूद है।

क्वीरीयाल अब जो बाद में दोनों गांवों में रहने लगे। तत्पश्चात रावत, मर्तोलिया, लस्पाल, ल्वांल, बृजवाल क्वीरी में बरपटिया पछाई परिवारों की बसासत भी सदीयों पुरानी है।

बालचन देवता के विषय में कहा जाता है कि वह नेपाल से आया हुआ माना जाता है। स्यांकुरी नेपाल में हुस्कर देवता उनके पिता का मंदिर प्रतिष्ठापित है। धारचूला के जुम्मा रांती में भी हुस्कर मन्दिर प्रतिष्ठापित है। जहाँ अजबलि से पूजा-पाठ का विधि-विधान है। बालचन देवता को हुस्कर देवता क पुत्र माना जाता है। पिता के त्याग देने पर जोहार की ओर रुख कर लिया था। जिनका प्रभाव जोहार क्षेत्र में काफी रहा है। आज भी तल्ला जोहार क्षेत्र में डुंगरी, डोर नामीक गाँव में बालचन देवता का मन्दिर प्रतिष्ठापित है धूम-धाम से पूजापाठ कही बलि प्रथा का चलन भी परम्परागत है। किन्तु द्योल ढुङ स्थित मन्दिर में सात्विक पूजा की ही पम्परा

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

आओ मतदान करें

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज रहा है और पार्टियों की घेराबन्दी के साथ ही प्रत्याशियों का चरम प्रचार अभियान जारी है। इस अभियान में सिर्फ यह बताने की कोशिश की जा रही है कि अमुक प्रत्याशी जन नायक है, अमुक पार्टी विकास के रास्ते पर चलेगी। पहले से भी यह होता आया है जब पार्टियां अपने को विकास करने वाला और अपने प्रत्याशी को बिना दाग वाला बताती रही हैं।

पार्टी और प्रत्याशी का कामनाएं स्वयं के लिये हो सकती हैं लेकिन जनता को जागना चाहिये। लोकतन्त्र में प्रत्येक मतदाता को अपने मत का प्रयोग करते हुए सरकार बनाने में योगदान देना होगा। पार्टियों की बात और प्रत्याशियों की आवाज गूंज सकती है तो जनता की क्यों नहीं? शायद इसलिये निर्वाचन आयोग ने भी निष्पक्ष और निर्भीक चुनाव के लिये मतदाता जागरूकता अभियान को बढ़ावा दिया है। साफ-सुथरे चुनाव के लिये जगह जगह स्वीप टीम द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें मतदाताओं को जागरूक करते हुए अपने मत का प्रयोग करने के लिये कहा गया है।

चुनाव के इस समय को महापर्व के रूप में मनाया जाना चाहिये। वोट का प्रतिशत जितना ज्यादा होगा उससे जन-जन की भावनाएं प्रकट होंगी। अक्सर होता यह है कि वोट देने के लिये लाइन में लगने से बचने के लिये, दूसरी जगह जाने के कारण, किसी लापरवाही के कारण कई लोग अपना वोट नहीं देते हैं। फिर सरकार बनने के बाद सरकार और जनप्रतिनिधि को कोसते हैं। यह सब ठीक नहीं है। जनभावनाएं किस प्रकार की सरकार चाहती है वह समय-समय की बात है। मतदाता के रूप में यह जरूरी है कि अपने मत का प्रयोग करें।

आप चाहे किसी दल या प्रत्याशी को मानने वाले हों या न मनाने वाले हों, अपने मतदान के रूप में अपनी भावनाओं का प्रकटीकरण कर सकते हैं। मतदाता को चाहिये कि वह जागरूकता का परिचय देते हुए अपना मत प्रदान करे। जब अधिकाधिक लोग मतदान करेंगे तभी जनतन्त्र की आवाज गूंजेगी और पार्टी-प्रत्याशी भी अपनी हदों में रहेंगे।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

विक्रम-1 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। अन्तरिक्ष क्षेत्र की निजी कम्पनी स्काइरूट एयरोस्पेस ने अपने ऑर्बिटल राकेट विक्रम-1 के दूसरे चरण का सफल परीक्षण किया। इस अन्तरिक्ष परीक्षण सयान को कलाम-250 भी कहा जाता है। इसरो के आन्ध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र में परीक्षण किया गया।

स्वदेशी तेजस मार्क-1ए की तैनाती

बंगलूरू। स्वदेशी लड़ाकू विमान वेजस मार्क-1 एक की तैनाती से वायुसेना की ताकत बढ़ चुकी है। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. की बंगलूरू स्थित इकाई ने तेजस मार्क-1ए श्रृंखला के पहले लड़ाकू विमान एलए 5033 ने सफल उड़ान भरी। इसे पायलट ग्रुप कैप्टन के.के. वेणुगोपालन(सेनि.) ने उड़ाया।

जरूरत पड़ी तो अग्निवीर योजना में बदलाव

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा चुनाव से पहले अग्निवीर योजना में बदलाव को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो सरकार अग्निवीर भर्ती योजना में बदलावा के लिये तैयार है।

२९ जून सं शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर। पवित्र अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है, जो 52 दिन (19 अगस्त) चलेगी। पिछली बार 1 जुलाई से 60 दिन तक यह यात्रा चली थी। इस बार बर्फबारी देर में हुई और अब तक जारी है। गुफा क्षेत्र में 12 फीट से ज्यादा बर्फ है। यात्रा के दिनों मार्ग पहलगाम और बालटाल से गुफा तक 2 से 10 फीट बर्फ में दबे हैं।

हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं : काजी फैज

पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ने कहा कि न्यायाधीशों के मामले और न्यायिक कामकाज में कार्यपालिका का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। पाकिस्तान की सरकार ने हाईकोर्ट के न्यायधीशों के कामकाज में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप मामले में आरोपों के जाँच की घोषणा की है।

नस्ल के आधार पर बर्गीकरण के तरीके बदले

अमेरिका में 27 वर्षों में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब अमेरिकी सरकार नस्ल के आधार पर लोगों के बर्गीकरण के तरीके बदल रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से सटीक जनगणना में मदद मिलेगी। अमेरिका के प्रबंधन और बजट कार्यालय द्वारा नस्ल और जातीयता के लिए न्यूनतम श्रेणियों में संशोधन की घोषणा की गई।

फसक

दाज्यू, मारपीट नाश्ता और ठगी पिकनिक हो गया ठैरा

होली की बलबलाट के बाद अब चुनाव की छटपटाट है बल

दाज्यू, लोकसभा चुनाव से फुर्सत नहीं हो रही है लेकिन लड़ाई-झगड़ा और ठगी का धन्धा इससे भी आगे चल रहा है। भारत-नेपाल को जोड़ने वाले धारचूला के अन्तर्राष्ट्रीय झूलापुल पर भारतीय व्यापारियों और एसएसबी जवानों बीच मारपीट हो गई। दाज्यू, हल्द्वानी में छात्र संघ से जुड़े नेताओं की बार-बार झगड़े की बात समझ नहीं आ रही है। क्या कहें क्या न कहें? मारपीट नाश्ता और ठगी पिकनिक हो गई ठैरी। कौन कब किसको ठोक दे, पता नहीं...। रुद्रपुर के ट्रांजिट कैम्प थाना क्षेत्र में 6 लौंडों ने एक बालक के पेट में चाकुओं से वार कर अधमरा कर दिया। किसी पुराने विवाद को लकर लौंडे पिल पड़े थे बल। चार नामजद सहित 6 आरोपियों के खिलाफ केस चल रहा है। रामनगर में तराई पश्चिमी वन प्रभाग के ज्वालावन क्षेत्र में खैर का पेड़ काटकर ले जा रहे तस्करों ने वन आरक्षी को पाटल से मारने की कोशिश की। वन आरक्षी ने दौड़कर अपनी जान बचाई। ऐसे ही नानकत्ता साहिब में कार सेवा डेरा के बाबा तरसेम सिंह को हमलावरों ने खुलेआम गोली मार दी। गोली मारने वाले दोपहिया वाहन पर आए थे जिसको सीसीटीवी पर देखा गया। बाबा की हत्या से तराई दहल चुका है। खुलेआम वारदात करने वालों के हौंसले बढ़ चुके हैं।

दाज्यू, काशीपुर के ग्राम दुर्गापुर किलावली स्थित गुरुद्वारा सन्त भाई हिम्मत सिंह दरबार में हो रहे जोड़ मेले में भी रात को जमकर मारपीट हो गई। समागम में मारपीट के बाद प्रशासन ने मेला बन्द करवा दिया। फोड़ाफोड़ में देश-विदेशसे आई काफी संगत लौट गई बल। दो पक्षों ने कुण्डा थाने में एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा रखा है।

दाज्यू, मार-पीट के अलावा हर तरह से नंग्योई हो रही है। कहो तो बुरे, न कहो तो जुतियाने का नम्बर....। भोला दाज्यू, बता रहे हैं कि इस बार वह खेत गुड़ाई में ध्यान लगाएंगे, किसी का प्रचार-प्रसार नहीं करेंगे। सारी पार्टियां देख ली हैं और नेता भी नाम-तोल कर देख लिये हैं। किसी में कमी नहीं है। इनके सम्पत्ति व्यौरे में पता चल रहा है कि करोड़पति हैं और नेतागिरी कर सम्पत्ति बढ़ जाती है। दाज्यू, यह तो हमें भी समझ नहीं आता है कि नेतागिरी करने वाले का सम्पत्ति रोकड़ा कैसे बढ़ जाता है। बबलू भी कह रहा है- 'फाइल इधर-उधर सरकाने वाला लफ्फड़ सिंह भी बड़ा आदमी हो गया है। एनओसी के लिये धन्धेफन्दे वाले उससे सम्पर्क करते हैं।' दाज्यू, सटर-पटर का धन्धा भी होने ही वाला ठैरा। रग्गड़ सिंह तक सुर्ती मलते-मलते बड़ा ठेकेदार हो चुका है। कह रहा था- 'सरकार बनाना अपने हाथ में है।' दाज्यू, होली की बलबलाट के बाद अब चुनाव की छटपटाट है बल।

हम तो आशीष ही दे सकते हैं- 'जुग-जुग जीवें मित्र हमारे।' कौन चटाई बिछाएगा, कौन शरबत पिलाएगा, यह कैसे तय कर दें? चुनाव के समय सोशल मीडिया वाले भी फड़फड़ाने लगे हैं। अपने भगतदा की समाजसेवा का विस्तार पढ़ने का मौका मिला। दाज्यू, मुख्यमंत्री और राज्यपाल बनने का भाग्य हर किसी का थोड़ा ही होता है। टायर-ट्यूब बदलते ही गाड़ी भी सरपट दौड़ने लगती है। हम तो हाड़-मांस के जोड़ ठैरे।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में चार प्राध्यापकों को कापी जांचने में लापरवाह मानते हुए हमेशा के लिये मूल्यांकन प्रक्रिया से बाहर कर दिया है बल। दाज्यू, हम तो पहले भी कह चुके हैं कि सटर-पटर में लगे गम्भीर हो ही नहीं सकते हैं। भगवान जाने इतने कालेज और विश्वविद्यालय क्यों बनाए होंगे? दाज्यू, सीएम के पूर्व ओएसडी पर सातवां केस लग चुका है। धोखाधड़ी को लेकर मैसर्स शान्ति इन्टरनेशनल के प्रबन्धक प्रदीप गुप्ता निवासी लाहना सिंह मार्केट मल्कागंज दिल्ली ने शहर कोतावाली में तहरीर दी है बल। कह रहे हैं- 'उत्तराखण्ड में राष्ट्रीस खेल के लिए सप्लाई का 18 करोड़ का टेंडर दिलाने का झांसा दिया।' दाज्यू, हरियाणा के मेवात का सेक्सटार्शन गैंग है जिसने सीबीसीआईडी के पूर्व अफसर को शिकार बना दिया। देहरादून में इसकी शिकायत होने के बाद जांच-पड़ताल की गई तो पता चला रात में महिला की वीडियो कॉल आई जो अश्लील हरकतें कर रही थी। इस दौरान उसने कॉल रिकार्ड की और पीड़ित को ब्लैकमेल किया। दाज्यू, किस-किस को ब्लैकलिस्ट करें? सारी लिस्ट ब्लैक हो चुकी हैं। देहरादून पुलिस ने 384 नशीले कैप्सूल, 390 टेबलेट व नगदी के साथ तीन नशा तस्कर पकड़ रखे हैं। शिक्षण संस्थान के छात्रों को बचेने के लिये यह सामग्री लाए थे बल। इस धुरमण्ड में कैसे बचा जाए इस पर विचार करो। -तुम्हारा भुली झकरुवा

कम्पनी बाग भूमि मामला

साफिया को कोर्ट से राहत नहीं

हल्द्वानी। कम्पनी बाग की भूमि पर कब्जे का मामला जारी है। इस मामले में आरोपी साफिया मलिक की कोर्ट में अग्रिम जमानत नहीं मिली। सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने 22 फरवरी को अब्दुल मलिक, उसकी पत्नी साफिया, अख्तरी बेगम, नबी रजा खां, गौस रजा खां और अब्दुल लतीफ के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। आरोप है इन लोगों ने मृत व्यक्ति के दस्तावेज लगाकर फर्जी तरीके से कब्जा सहित अन्य कारनामे किये। बनभूलपुरा में हुई हिंसा के समय से कई मामले उघलड़े चले गये जिसमें अब्दुल मलिक सहित कई जेल में हैं। जमानत के लिये याचिका लगा रहे हैं।

बाबा तरसेम हत्याकाण्ड

नानकमत्ता में सबसे बड़ी मान्यता बाबा फौजा सिंह की रही है

विवाद उपजते रहे और आरोप भी लगते रहे हैं

नानकमत्ता/रुद्रपुर। 28 मार्च की सुबह नानकमत्ता गुरुद्वारे के बाबा तरसेम सिंह कार सेवा परिसर में बैठकर सेवादारों के साथ काम कर रहे थे, इसी दौरान बाइक सवाल दो युवकों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। तरसेम सिंह हत्याकाण्ड की जाँच जारी है। हत्या में पूर्व आईएएस अधिकारी हरबंश चुघ, गुरुद्वारा प्रबन्ध कमेटी के पूर्व महासचिव और तराई महासभा के उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह भी नामजद हैं। इस प्रकरण को कई बिन्दु से जाँचा जा रहा है। कहा जा रहा है कि गुरुद्वारा साहिब की सम्पत्ति खुर्द-बुर्द करने से रोकने पर हत्या के षड्यन्त्र में यह लोग शामिल हैं।

बात नानकमत्ता और इसके रखरखाव की करें तो पता चलता है कि सिखों के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल की अपार मान्यता के चलते देश-दुनिया के लोग यहाँ आते हैं। बाबा फौज सिंह की सबसे बड़ी मान्यता नानकमत्ता में रही है। फौजा सिंह ने अन्तिम सांस तक संगत जोड़ी और सद्कर्म पर लोगों को लगाया। तरसेम सिंह भी कम उम्र से ही बाबा की संगत में रहे हैं। नानकत्ता में सम्पत्ति को लेकर विवाद उपजते रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

पानी के लिए तरस रहा गंगा-यमुना का मायका उत्तराखण्ड

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

भारत वासियों के लिए जीवनदायिनी और युगों युगों से अविरल बहती पतित पावनी गंगा को लेकर उत्तराखण्ड की ओर से बहुत बड़ा शोध किया गया है। जिसके आधार पर स्पष्ट किया गया है कि यदि भविष्य में जलवायु परिवर्तन इसी प्रकार बना रहा तो वह दिन दूर नहीं जब धीरे धीरे गंगा भी प्राचीन नदी सरस्वती की भांति विलुप्त हो जाएगी। इसका प्रमुख कारण यह है कि गंगोत्री ग्लेशियर ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेजी से पिघलने लगा है। गंगा जो हमारे भारत देश की पहचान व जीवनदायिनी है, यहाँ का प्रत्येक नागरिक अत्यन्त शान के साथ कहता है कि हम उस देश के निवासी है जहाँ गंगा बहती है। वही गंगा जिसे कालान्तर में राजा भागीरथ सैकड़ों वर्षो की तपस्या के बाद अपने पितरों की मुक्ति हेतु स्वर्गलोक से पृथ्वीलोक पर लेकर आये थे। गंगा को हमारे देश का जल सम्पदा का प्रतीक माना जाता है। जो कि हमारी जीवनदायिनी भी है, आज उसी गंगा का जीवन भी खतरे में है। गंगा-यमुना का मायका उत्तराखंड के गांवों को पीने के लिए पानी भी मयस्सर नहीं है।

केन्द्र के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय की रिपोर्ट भी इसकी तस्दीक कर रही है। प्रदेश के 39282 गाँव में से करीब 56 फीसद, यानी 21706 में ही मानक के अनुसार पेयजल मिल पा रहा है। इसमें सबसे खराब स्थिति टिहरी और पौड़ी जिले की है। यहाँ क्रमशः 21 और 32 फीसद बस्तियों को पर्याप्त पानी मिल रहा है।

उत्तराखण्ड की प्यास बुझाने को पेयजल निगम, जल संस्थान, स्वजल व एडीबी विंग जैसी चार एजेंसियां सालों से काम कर रही हैं। बावजूद इसके स्थिति यह है कि प्रदेश के 17 हजार 577 मजरों (गाँव) के लाखों लोग आज भी पानी के लिए तरस रहे हैं। जिम्मेदार एजेंसियों की मानें की तो बजट की कमी के चलते अगले 20 साल में भी इन क्षेत्रों में पानी की समस्या खत्म होने के आसार नहीं हैं। मानक के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में प्रति व्यक्ति एक दिन में 40 लीटर पानी मिलना चाहिए। लेकिन ये वो गाँव हैं जहाँ 40 तो छोड़िए, 20 लीटर भी मिल जाए तो गनीमत। वह भी लोग जैसे-तैसे जुटा पाते हैं। आंकड़े देखें तो सबसे ज्यादा किल्लत पौड़ी जिले के 4732 मजरों में है, जबकि 3386 मजरों के साथ टिहरी दूसरे स्थान पर है। गंगा-यमुना का मायका उत्तराखण्ड प्यासा है।

पहाड़ में एक कहावत है कि पहाड़ का पानी और जवानी यहाँ के काम नहीं आते लेकिन सरकारें इसे बदलने को आतुर है। उत्तराखण्ड में नदियों, नालों, जलस्रोतों की संख्या करीब एक हजार से अधिक हैं, जो यहाँ से निकलकर सुदूर मैदानी इलाकों को सिंचती हैं, वहीं प्रशासन की अनदेखी और व्याप्त भ्रटाचार की वजह से राज्य के कई जिलों में जल संकट गहरा गया है। पर्वतीय राज्य में गर्मियां आते ही लोगों को पानी के लिए दर-ब-दर भटकना पड़ रहा है। साल दर साल जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है लेकिन प्रति व्यक्ति प्रति लीटर जल में कमी होती जा रही है। इसका कारण कुप्रबन्धन तथा अव्यवस्था है। पूरे प्रदेश में स्थिति प्रति वर्ष एक जैसी ही होती है। इस बार भी कोई अन्तर आता नहीं दिख रहा है।

गत दिनों एक चुनावी सभा में निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वे पहाड़ के पानी और जवानी दोनों को पहाड़ के काम आने की योजनाएं क्रियान्वित करेंगे। पूरे प्रदेश की स्थिति देखी जाए तो कुमाऊँ के नाले और जलधारा विश्व प्रसिद्ध थे।

सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा मुख्यालय में लगभग सभी इलाकों में पानी की किल्लत है और इसकी वजह यह है कि पिछले 30 साल से पुरानी पाइप लाइनों को बदला नहीं गया है, पेयजल की किल्लत को दूर करने का काफी प्रयास किया है लेकिन जनसंख्या घनत्व पर यह प्रभाव आज भी नाकाफी है। टिहरी झील से सटे क्षेत्रों में पेयजल की भारी कमी है। इसका कारण प्राकृतिक जलस्रोतों का सूखना है। जल स्रोतों के सूखने के कारणों में वनों का लगातार कटान, मुनाफाखोरी के लिए पहाड़ों के कटान में बारूद का प्रयोग होना है। गढ़वाल का कोटद्वार क्षेत्र ऐसी ही स्थितियों से जूझ रहा है। कोटद्वार में भी दर्जनभर इलाकों में लोगों को पानी मयस्सर नहीं है। लगातार जल संकट की ओर बढ़ रहा है। मोटे अनुमान के अनुसार पूरे उत्तराखंड में 510 प्राकृतिक जल स्रोत ऐसे हैं, जो या तो सूख चुके हैं या सूखने के कगार पर हैं। कभी नौले-धारों की नगरी के रूप में पहचान रखने वाले अल्मोड़ा में तो 360 जल स्रोतों में से मात्र साठ ही जीवित हैं। इनमें भी मात्र 18 जल स्रोत ही कमोबेश बेहतर स्थिति में हैं। यह एक खतरनाक संकेत है जिसने नीति-नियन्ताओं की चिन्ता बढ़ा दी है। प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए सरकारी, गैर सरकारी स्तर पर प्रयास तो दशकों से चल रहे हैं लेकिन समन्वय और तकनीक के अभाव में अब तक ठोस परिणाम नहीं निकल पाया। स्थिति यह है कि उत्तराखण्ड में कुल जल स्रोतों का कोग्र ठोस आंकड़ा अभी तक मौजूद नहीं है। अब कई विभागों और एनजीओ के साथ आने से उम्मीद की जानी चाहिए कि मृत पड़े नौले-धाराओं में एक बार फिर जीवन उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों के बारे में यह जानना भी जरूरी है कि गर्मी बढ़ने के साथ जलस्रोतों में पानी की मात्रा बड़ी तेजी से घटती जाती है। गदेरे (नहर), झरने और धाराएं ही प्राचीन समय से पर्वतीय क्षेत्रों में रह रहे लोगों की पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करते आये हैं लेकिन पिछले कुछ समय से पानी के इन स्रोतों में पानी की निकासी लगातार घटी है। इन क्षेत्रों में किये गए तमाम शोध भविष्य में आने वाले पेयजल संकट की ओर इशारा करते हैं। पानी की समस्या उत्तराखण्ड राज्य में होने वाले पलायन के मुख्य कारणों में से एक है।

आज भी पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं और बच्चों को अपने घरों से दूर स्थित पानी के स्रोतों से पानी लाते हुए बहुत आसानी से देखा जा सकता है। जिस कारण तमाम तरह की समस्या का सामना पहाड़ में रहने वाली महिलाओं को करना पड़ता है। हर घर जल योजना पहाड़ में रहने वाली इन महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा यदि कार्यदायी संस्थाएं इस परियोजना को पहाड़ की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाये।

ज्योतिष की बातें - 172

9 अप्रैल 2024 को बुध वक्री गति से चलते हुए वापस नीचराशि मीन में प्रवेश करेगा। वहाँ पर बुध राहु से युति करके जड़त्व योग का निर्माण करेगा अतः बुद्धि में पुनः जड़ता उत्पन्न होगी। बुध अगले 31 दिन बुद्धि, व्यापार, व्यवसाय, लेखन कार्य आदि अपने कारक विषयों में कुम्भ, धनु, तुला, सिंह, मिथुन, व वृषभ राशि के जातकों को अल्पमात्र में ही शुभफल प्रदान करेगा। 13 अप्रैल 2024 को सूर्य अपनी उच्चराशि मेष में प्रवेश करेगा। अगले एक माह सूर्य स्वास्थ्य, सफलता, प्रतिष्ठा आदि अपने कारक विषयों में कुम्भ, वृश्चिक, कर्क व मिथुन राशि के जातकों को अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। अन्य राशियों को भी सूर्य सामान्य फल प्रदान करता रहेगा।

नव संवत्सर- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा सूर्योदय व्यापिनी तिथि में नव संवत्सर प्रारम्भ होता है। अतः मंगलवार 9 अप्रैल 2024 को नया 'कालयुक्त' नाम संवत्सर 2081 विक्रमी प्रारम्भ होगा। इस दिन घरों पर भगवाध्वज फहराना चाहिए और संवत्सर फल का पठन अथवा श्रवण करना चाहिए।

नवरात्रि प्रारम्भ- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा मुहूर्तमात्र तिथि पर वासन्तिक नवरात्रि का पर्व प्रारम्भ होता है। अतः इसी नव सम्वत्सर के दिन 9 अप्रैल 2024 को कलश स्थापना की जाएगी।

शुभं भवतु !!

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 63

घृणा साम्प्रदायिक अथवा राजनैतिक

बचपन में हमारे बहुत से मित्र मुसलमान भी थे। हमारे पिताजी और दादाजी के भी बहुत से मित्र मुसलमान थे। विशेष अवसर पर घर पर आते जाते थे। हम लोग भी साथ-साथ उठते बैठते थे, खेलते थे, साथ में पढ़ने जाते थे। हम उनके शादी समारोहों, त्योहारों में भी सम्मिलित हो जाया करते थे। वे लोग भी कभी-कभी होली साथ में खेल लेते थे। हम धार्मिक थे, पूजा पाठ करने वाले थे। वे भी कम से कम एक बार नमाज अवश्य पढ़ते थे। उन्होंने कभी नहीं कहा कि तुम भी नमाज पढ़ा करो, हमने भी कभी नहीं कहा कि तुम भी गीता पाठ किया करो या मेरे साथ मन्दिर में चला करो। उन्होंने कभी नहीं कहा कि मूर्ति पूजा क्यों करते हो, हमने भी कभी नहीं कहा की नमाज क्यों पढ़ते हो। उन्होंने कभी नहीं हमसे कहा कि तुम भी मुसलमान बन जाओ और मैंने भी कभी नहीं कहा कि तुम हिन्दू बन जाओ।

अब समय बदल गया है उन पुराने मित्रों से अब दूरी हो गई है सम्पर्क भी कम रहता है। अब तो एक दूसरे से मिलने जुलने में भी संकोच होता है। कुछ वर्षों से समाज में घृणा का वातावरण बन गया है। फिर भी मैं देखता हूँ कि जो असली मुसलमान हैं अर्थात अपने मज़हब को जानने वाले, उस पर चलने वाले वे हिन्दुओं से घृणा नहीं करते और जो वास्तविक हिन्दू हैं अर्थात् धर्म ग्रन्थो को पढ़ने वाले और उन्हें मानने वाले हिन्दू कभी मुसलमान से घृणा नहीं करते। घृणा वही करते हैं जो अपने धर्म को जानते नहीं, धर्म ग्रन्थो को कभी पढ़ा नहीं होता है । वे लोग किसी न किसी राजनीतिक दल से जुड़े रहते हैं और वे ही वोट के लालच में समाज में घृणा का वातावरण पैदा करते हैं। ऐसे अधार्मिक लोगों से सावधान रहना चाहिए ।

-सरल

जीत के लिये.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

एक भी वोट नहीं जाएगा। पौड़ी से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी के प्रचार को पहुँची स्मृति ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह सैनिकों की भूमि है, इसलिये भी यहाँ से पूर्व सैनिकों का एक भी वोट इधर-उधर नहीं करेंगे।

जनता के आशीर्वाद से जीतेंगे : प्रकाश जोशी

नैनीताल लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी का कहना है कि पार्टी कार्यकर्ताओं में जीत को लेकर उत्साह है। जनता के आशीर्वाद से कांग्रेस भारी बहुमत से जीतेगी। जनता सबकुछ जान चुकी है इसलिये भाजपा इस भ्रम में न रहे कि वह जो चाहे कर लेगी।

यह बदलाव का मौका है : हरीश रावत

हरिद्वार लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अपने पुत्र वीरेन्द्र के सारथी बने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत कहते हैं ये वक्त बदलने का मौका है। गंगा पूजन के साथ रोड शो कर रहे वीरेन्द्र के लिये उन्होंने कहा कि सवाल उनके पुत्र का नहीं यह प्रत्येक युवा का सवाल है, आज देश बदलाव चाहता है।

हमार ताकत विचार छ : गणेश गोदियाल

पौड़ी लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल का प्रचार अभियान तेजी से चल रहा है। उनके दुदबोली गढ़वाली में बोले जा रहे भाषण को सुनने के लिये बड़ी संख्या में लोग पहुँच रहे हैं। वह कहते हैं- 'हमार ताकत विचार छ। प्रत्येक व्यक्ति गणेश गोदियाल छ। मेर विचार घर-गाँव पहुँच जालो त जीत निश्चित छ।' गोदियाल को भरोसा है कि प्रदेश में कांग्रेस कम से कम तीन सीटों पर विजय प्राप्त कर लेगी।

जुगरान ने उठाया है सवाल

भाजपा नेता रविन्द्र जुगरान ने कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल पर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि गोदियाल खुद को पहाड़ का रैबासी बता रहे हैं, जबकि चुनाव आयोग को दिए गए शपथ पत्र में उन्होंने अपना घर और परिवार मुम्बई में होना बताया है।

प्रधानमंत्री का आध्यात्मिक लगाव

पौड़ी सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी ने जगह-जगह अपनी सभाओं में कहा हे कि प्रधानमंत्री का उत्तराखण्ड से आध्यात्मिक लगाव है। यहां की समस्याओं के समाधान के साथ ही तीर्थाटन की दिशा में भी केन्द्र काम कर रहा है। अब उनके ऋण को चुकाने का समय आ गया है। बलूनी ने थराली बाजार में रोड शो भी किया।

परिवारवाद के कारण देश पिछड़ा : त्रिवेन्द्र

हरिद्वार लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी त्रिवेन्द्र रावत ने कार्यकर्ताओं से सम्वाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उनके कारण देश का सम्मान विश्व में लगातार बढ़ता जा रहा है। कहा परिवारवाद के कारण देश पिछड़ा है। कई नेता अपनी जेब भरते गए और आगे बढ़ते गए।

कार्यकर्ता नहीं मिलेंगे

कालाढूंगी के विधायक बंशीधर भगत भाजपा प्रत्याशी अजट भट्ट के प्रचार में कह रहे हैं कालाढूंगी में कांग्रेस को ढूंढने से भी कार्यकर्ता नहीं मिलेंगे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जनपद स्तरीय कारागार बनेगा

हल्द्वानी। हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश के आदेश के क्रम में डीएम बन्दना सिंह ने जेल के विस्तारीकरण, नई जेल बनाने आदि को लेकर बैठक की। जिसमें हल्द्वानी में नई जेल के लिये जमीन ढूंढने को तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। नैनीताल कारागार का विस्तारीकरण किया जाना है तो दस एकड़ जमीन की आवश्यकता बताई जा रही है। हल्द्वानी में जिला कारागार बनाने के विकल्प पर चर्चा हुई।

चुनाव के बाद टाउन प्लानिंग होगी

हल्द्वानी। जमरानी बांध प्रभावितों के पुनर्वास के लिए प्राग फार्म में टाउन प्लानिंग के कार्य उत्तराखण्ड में चुनाव सम्पन्न होने पर 19 अप्रैल के बाद शुरू होंगे। किच्छा के प्राग फार्म में डाउन प्लानिंग करने के लिए तीन कम्पनियों ने टेंडर डाले हैं। मूल्यांकन के बाद एक कम्पनी को टाउन प्लानिंग का कार्य सौंपा जाएगा। परियोजना प्रबन्धक हिमांशु पन्त ने बताया कि टेंडर के मूल्यांकन का कार्य चल रहा है।

लक्ष्य का ओलंपिक में खेलना तय

युवा शटलर लक्ष्य सेन का रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलम्पिक में खेलना लगभग तय है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं हुई है। पिछले 20 साल में यह पहला मौका होगा जब ओलम्पिक की एकल स्पर्धा में दो भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे। एचएस प्रणय ने अपना टिकट पक्का कर लिया है।

पंचाचूली ग्लेशियर दर्शन को सैलानी शुरु

धारचूला। दारमा घाटी में पंचाचूली ग्लेशियर देखने के लिये सैलानियों का आना शुरु हो चुका है। सोबला ढाकर सड़क यातायात के लिये खुलने के बाद यात्रियों की आवाजाही शुरु हुई है। दांतू स्थित हिमालयन ब्लू शिम होम स्टे संचालक संजय जंग, गुड्डू और भूपेश जंग ने बताया कि दिल्ली, कोलकत्ता, राजस्थान के यात्री दर्शन के लिये आ चुके हैं। ग्रीष्म सीजन में होम स्टे संचालक भी गाँव पहुँच चुके हैं।

शिशु मंदिरों की नई ड्रेस होगी

विद्या भारती की ओर से संचालित सरस्वती शिशु मन्दिरों में 72 साल बाद स्कूल ड्रेस बदल चुकी है। इस सत्र से नर्सरी से पांचवी तक के लिये नई ड्रेस निर्धारित कर दी गई है। शिशु शिक्षा समिति ने इसके लिये सर्कुलर जारी कर दिया है।

केदारनाथ में ड्रोन से स्वास्थ्य सुविधा

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश केदारनाथ धाम में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इसके लिये ड्रोन से स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होंगी।

पूर्णागिरी मेले में उमड़ चुकी है श्रद्धालुओं की भीड़

टनकपुर। उत्तर भारत के प्रसिद्ध पूर्णागिरी मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ चुकी है। होली के बाद शुरू होने वाले इस मेले का उद्घाटन इस बार कमिश्नर दीपक रावत ने किया। मेले में रात्रि 2 बजे से ही लम्बी कतार लग चुकी थी और पहले ही दिन 30 हजार से ज्यादा लोगों ने पूर्णागिरी के दर्शन कर लिये थे। भीड़ अत्यधिक होने के कारण श्रद्धालुओं को भैरव मन्दिर के पास करीब एक घण्टे रुकना पड़ रहा है। काली मन्दिर से मुख्य मन्दिर तक जगह-जगह बैरिकेडिंग लगाकर श्रद्धालुओं को घण्टों इन्तजार के बाद माँ पूर्णागिरी के दर्शन हो रहे हैं। इस दर्शन मेले में सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों के साथ पहुँचे श्रद्धालुओं को हुई है, क्योंकि इस बार अन्य वर्षों की तरह पूर्णागिरी धाम मेले में अतिरिक्त पुलिस बल नहीं पहुँच पाया है। जिससे व्यवस्थाओं में काफी दिक्कतें आ रही हैं। पीआडी और होमगार्ड के जवानों से ही अधिकतर ड्यूटी कराई जा रही है। पार्किंग स्थल भरे हैं। वाहनों की बढ़ती आवाजाही से कई बार यातायात भी बाधित हो रहा है।

नौकुचियाताल में हवाई यात्रा के पंख

नैनीताल। पर्यटन स्थल नौकुचियाताल में भी हवाई यात्रा के पंख लगने वाले हैं। इसके लिये लोक निर्माण विभाग ने हेलीपैड का निर्माण शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि हवाई यात्रा सुविधा होने से पर्यटन की दिशा में जबर्दस्त बढ़ोत्तरी होगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बनेंगे।

माना जा रहा है कि इस साल के अन्त तक नौकुचियाताल में सैलानी हेलीसेवा के माध्यम से लोगों का आना जाना शुरू हो जायेगा। शासन से पूर्व में हेलीपैड निर्माण के लिये स्वीकृत 85.55 लाख की राशि में से प्रथम किश्त के रूप में लोनिवि को 34 लाख की राशि आवंटित हो चुकी है। विभाग द्वारा हेलीपैड निर्माण के लिए चिह्नित स्थल का समतलीकरण किया जा रहा है। साथ ही वन विभाग को हेलीपैड निर्माण में आड़े आ रहे पेड़ों के कटान की अनुमति के साथ ऊर्जा निगम से बिजली की लाइन को लेकर लोनिवि ने पत्र भेजा है। नौकुचियाताल में लम्बे समय से हेलीपैड निर्माण की मांग चल रही थी। हेलीपैड निर्माण होने की सूचना से ही स्थानीय कारोबारियों में खुशी है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

भयंकर गर्मी के साथ जल संकट

हल्द्वानी। होली का त्यौहार निपटते ही मौसम में भयंकर गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। आने वाले दिनों में लगातार मौसम ऐसा रहेगा, साथ ही जल संकट भी होना है।

पेयजल संकटग्रस्त इलाकों में पीने के पानी की पहले से दिक्कत बनी हुई है। हीरानगर क्षेत्र का नलकूप दूसरी बार खराब होने से जल संस्थान ने टैंकरों से पानी सप्लाई करवाई। इसी प्रकार पुराने नलकूप व लाइनों में भी दिक्कत होने से शहर व आसपास कई जगह पेयजल दिक्कत बनी हुई है। पानी संकट से जूझ रहे दमुवाढूंगा, लोहरियासाल मल्ला, हिम्मतपुर, छड़ायल, बजूनिया हल्दू, भगवानपुर बिचली, काठगोदाम, इन्दिरनगर के विभिन्न इलाकों में भी टैंकरों से पानी बंटवाया गया है। नवाबी रोड स्थित दुर्गा कालोनी के घरों में सीवर आने की समस्या की जाँच की गई और लाइनों की सफाई हुई। बताया जा रहा है कि 5 दिनों तक घरों में गन्दा पानी आता रहा।

चुनाव में बॉबी पंवार और आशुतोष नेगी

लोकसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला बनता जा रहा है। हालांकि बसपा की ओर से उतरे प्रत्याशी भी अपना जोर दिखा रहे हैं। इन सबके बीच आन्दोलनकारी और चर्चित बॉबी पंवार और आशुतोष नेगी का चुनाव मैदान में कूदना भी कम चर्चा में नहीं है। उत्तराखण्ड के ज्वलंत मुद्दों को लेकर ये युवा नेता जिस प्रकार से गरज रहे हैं वह विचार भी फैल रहा है और मतदाता अन्त तक विचार करेगा ही। बेरोजगारी, मूल निवास, सशक्त भू कानून, गैरसैण राजधानी के सवाल, पेपर लीक, अंकिता हत्याकाण्ड जैसे मुद्दों को लेकर युवा नेता पंवार और नेगी जनता के बीच हैं।

इनका कहना है कि जनता ऐसे दलों से छुटकारा चाहती हैं जिनका जनसरोकारों से कोई लेनादेना नहीं है। प्रचार के शुरुआती समय में सबका प्रचार चल रहा है लेकिन अन्त तक मतदाता अपने मत का प्रयोग किस ओर करेगा यदि पार्टी को झुका तो किस प्रत्याशी को पसन्द करेगा। यह सब परिणाम ही बता सकते हैं। फिलहाल पहाड़ की आवाज को उठाने वालों ने उपस्थिति दर्ज की है।

नई पार्टी बनाएंगे दीपक बल्युटिया

हल्द्वानी। नैनीताल लोकसभा सीट से टिकट बंटवारे में उपेक्षा से आहत होकर कांग्रेस छोड़ने वाले दीपक बल्युटिया नई पार्टी बनाएंगे। 35 साल कांग्रेस की सेवा के बाद उससे अलग हुए दीपक अपने समर्थकों के साथ लगातार मंथन कर रहे हैं। उनका कहना है कि सवाल टिकट से भी आगे का है। पं. नारायण दत्त तिवारी की परम्परा को आगे बढ़ाना छोड़ पार्टी के शीर्ष ने जिस प्रकार की उपेक्षा की वह कष्टदायक है। ऐसे में पार्टी में रहना उचित नहीं था। पार्टी से अलग होकर क्या फैसला लिया जाए इसके लिये अपने समर्थकों के साथ मिलकर ही निर्णय होगा। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अभी से टीम तैयार की जाएगी। स्व.तिवारी से जुड़े पुराने लोगों से सम्पर्क किया जा रहा है। बताते चलें कि दीपक कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता रहे हैं और नैनीताल लोकसभा सीट से उनका दावा था।

विधानसभा पर वोटों का हिसाब रखेंगे

लोकसभा चुनाव के लिये मची घमासान में विधायकों पर दबाव होगा कि वह अपने क्षेत्र से अपने दल के प्रत्याशी को अधिकाधिक वोट दिलवाएं। वोटों के इसी हिसाब पर 2027 के विधान सभा चुनाव में टिकटों का पलड़ा भारी होगा। इस समय सर्वाधिक चुनौती चम्पावत विधान सभा सीट पर है क्योंकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस सीट से विधायक हैं और रिकार्ड मतों से उन्होंने उपचुनाव जीता था, ऐसे में लोकसभा चुनाव में जनता कितना साथ देगी यह मतदान के बाद पता चलेगा।

प्रदेश की पाँचों लोकसभा सीटों में जुड़ी हुई विधानसभा सीटों का गणित यदि देखा जाए तो एकतरफा वोट किसी को नहीं पड़ रहा है। विधानसभा सीट के लिये दम भरने वाले नेताओं की परीक्षा उनकी पार्टी इस लोकसभा में लेने जा रही है। हालांकि चुनाव की सभाओं के अलावा किसी प्रकार शोर अभी तक नहीं दिखाई दे रहा है। दिखने-दिखाने का सारा खेल सोशल मीडिया पर साया किया जा रहा है।

अमित भट्ट बने अपर महाधिवक्ता

नैनीताल। शासन ने हाईकोर्ट के उप महाधिवक्ता व शासकीय अधिवक्ता अमित भट्ट को महाधिवक्ता बनाया है। वह शासकीय अधिवक्ता भी बने रहेंगे। अपर सचिव न्याय सुधीर सिंह की ओर से चुनाव आचार संहिता लागू होने से पूर्व 15 मार्च को यह यह आदेश निर्गत हुआ है।

सचिन तेंदुलकर का दौरा

हल्द्वानी। मास्टर ब्लास्टर के नाम से प्रसिद्ध भारत रत्न सचिन तेंदुलकर का दौरा खेल प्रेमियों में उत्साह भर गया। पन्तनगर में एक उद्घाटन कार्यक्रम के अलावा सचिन ने रामनगर कार्बेट ढिकुली क्षेत्र में अपने साथियों के साथ समय गुजारा। क्रिकेटर सचिन ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और बैटरी कम्पनी के प्रबन्धकों के घेरे में रहे। सोलर पैनल फैक्ट्री का उद्घाटन के बाद उन्होंने आस पास का भ्रमण किया। प्रशंसकों में सेल्फी की होड़ मची रही।

परिक्रमा

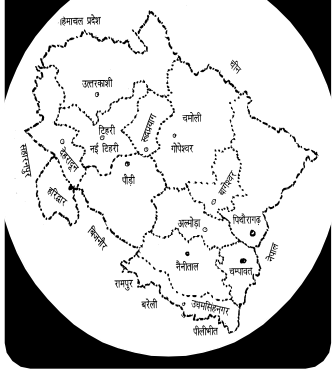

ओल्ड लिपुपास से कैलास दर्शन

पिथौरागढ़। आदि कैलास और ओम पर्वत के बाद अब पर्यटकों को ओल्ड लिपुपास से भी कैलास पर्वत के दर्शन कराने की तैयारी की जा रही है। यदि रक्षा मंत्रालय से हरी झण्डी मिल गई तो भारतीय श्रद्धालु आसानी से कैलास पर्वत के दर्शन कर सकेंगे। इसके लिये पर्यटन विभाग की ओर से बातचीत चल रही है।

चारधाम यात्रा बुकिंग का रिकार्ड

देहरादून। चारधाम यात्रा के लिये गढ़वाल मण्डल विकास निगम में बुकिंग का आंकड़ा साढ़े चार करोड़ के पास पहुँच गया है। रिकार्ड बुकिंग में जीएमवीएन की अब तक होटल व गेस्ट हाउस की साढ़े चार करोड़ की बुकिंग के लिये आनलाइन सेवा का लाभ लिया है। तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिये निगम ने फरवरी से आनलाइन बुकिंग की तैयारी कर ली थी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लोकतंत्र के महापर्व पर स्वीप द्वारा शतप्रतिशत मतदान की अपील

इंस्टाग्राम पर चुनाव जागरूकता रील और इनाम

चम्पावत में स्वीप का धुंआधार अभियान

नैनीताल में जागरूकता रैली के साथ ही चर्चा

देहरादून। लोकतंत्र के महापर्व पर मतदाताओं को जागरूक करने के लिये स्वीप का अभियान जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय देहरादून ने युवाओं को चुनाव से जोड़ने के लिये इंस्टाग्राम पर रील बनाओ, इनाम पाओ अभियान तक चला रखा है। इसके तहत मतदान जागरूकता सम्बन्धी रील बनाकर सीईओ को टैग करने वालों को चुनाव आयोग की ओर से 500 से 1000 रुपये पुरस्कार दिया जायेगा। इसके लिये मुख्य निर्वाचन कार्यालय का इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया गया है। जागरूकता अभियान के तहत मतदाता जागरूकता सम्बन्धी रील बनानी है। इसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से मुख्य निर्वाचन कार्यालय को टैग करते हुए पोस्ट करनी है।

मतदाता जागरूकता में प्रदेश की पाँचों लोग सभा सीटों पर वहाँ के जिला निर्वाचन अधिकारियों की पैनी नज़र है और सभी मतदाताओं से निष्पक्ष और निडर होकर मतदान की अपील की जा रही है। इसी क्रम में चम्पावत जिला निर्वाचन का कार्यक्रम बढ़चढ़ कर देखा गया है। चम्पावत स्वीप टीम ने मतदाता जागरूकता को लेकर जागरूकता के गीतों के माध्यम से चारों ओर प्रचार-प्रसार किया है। इन दिनों पूर्णागिरी मेले के दौरान भी सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के महापर्व पर अपने मतदान की अपील की जा रही है। नैनीताल जिला निर्वाचन का अग्रणीय कार्यक्रम देखा गया है। यहाँ जागरूकता रैली के साथ ही मतदाताओं से चर्चा अभियान चलाया गया।

क्वीरीजिमिया....

प्रथम पृष्ठ का शेष

पुरातन काल से चली आ रही है। फल फूल, धूप नवैध, प्रसादी चढ़ावा की मान्यता है जिस पावन भूमि की पवित्रता की परम्परा को यथावत रक्खी गई है।

क्वारी जिमीया से जब आगे लगभग 2 किमी पैदल चलने के पश्चात सुलाधार जगह पड़ता है। जहाँ घने जंगलों के बीच समतल खुबसूरत मैदान लगभग 100 मी लम्बा चौड़ा मैदान जिसके चारों ओर थूनेर, खरसु तिमसु, बांज-बूरांश के घने जंगल, निगाल की कयी प्रजाति की झाड़ियां तथा अति प्राकृतिक नैसर्गिक सौंदर्यता, रमणीक स्थान दृष्टिगोचर होती है। जहाँ से दूर गोरी नदी पार का हिमाच्छादित हिमश्रृंखलाएं राजरम्भा, नागनी चोटी, रालमघाटी, पंचचूली हिमालय का विहंगम बर्फानी दृश्य का चित्त को शान्त तथा मन-मस्तिष्क को प्रफुल्लित कर देती है।

यदि भविष्य में इस स्थल को मुनस्यारी क्षेत्र के पर्यटन व धार्मिक पर्यटन स्थल के स्वरूप में विकसित देखते हैं तो मुनस्यारी के पास नन्दा देवी मन्दिर डाडांधार से प्रकृति का जो विहंगम दृश्य अवलोकन करने का मौका मिलता हैं उसी के सापेक्ष में द्योल ढुंङ, सुलाधार की सौन्दर्यता को भी आंकलन करेंगे। जिस क्षेत्र का इतिहास भी पौराणिकता से जुड़ा है।

सुलाधार से आगे बढ़ने पर घने जंगलों के बीच स्थित द्योल ढुंङ जब दर्शन होता है तो पहले पहल अद्भुत दृश्य देखकर मन के अन्दर कुछ भय सा भी आ जाता है। जहाँ जिसकी सम्भावना ही न हो वहाँ भीमकाय विशाल पाषाण खण्ड, जिसके किनारे जलाशय लम्बाई लगभग 50 मी व चौड़ाई 30 मी दिखाई देती है कुण्ड के बीच में स्थल का कुछ उभरा भाग जिसमें हरा घास उगा हुआ है। सामने छोटा सा प्राचीन पाषाण निर्मित मन्दिर बालचन देवता का जिसे ग्वाला (पशुपालक) पशुओं का देवता भी माना जाता है।

भीमकाय पाषाण खण्ड स्तूपनुमा (टीला) जिसके तलहटी में चारों ओर से सपाट पाषाण स्पष्ट दिखाई देती है, तथा सिरे वाले भाग में थूनेर के वृक्ष, निगाल की झाड़ियां, दुर्लभ वृक्ष रतौली जो औषधीयुक्त पर जो छोटा गोलाकार लिए छिद्र से दो भागों में विभाजन करते आधा सुर्ख लाल व आधा काले रंग का होता है फल के रस को आँखों में डालने से आँख के सफाई तथा रोशनी में इजाफा होने की बात बुजर्गों के मुंहवाणी से आज भी सुनी जा सकती हैं। देवतुल्य पाषाण खण्ड के लोग चारों लोग परिक्रमा कर प्रार्थना, आराधना करते हैं वास्तव में यदि उस पाषाण खण्ड की परिगणना करेंगे तो देश ही नहीं विदेश में भी इसे प्रथम स्थान आसानी से प्राप्त हो सकता है।

जब द्योल ढुंङ स्थित प्राचीन धरोहर का दर्शन कर वापस आते हैं तो दुसरे मार्ग का चुनाव करते हैं। अन्य मार्ग से ढलान की ओर बढ़ते हैं तो तब भी हमें एक अलग अंचभित दृश्य देखने को मिलता है लगभग 1 किमी के ढलान के अन्तर में 100 भी लम्बी व 50 भी चौड़ाई का जलाशय (कुण्ड) स्थापित है, जिसे रागस कुंड (राक्षस जलाशय) के नाम से भी जाना जाता ह। विशेषता द्योल कुण्ड से इस कुण्ड तक सर्पीली आकार से जल निकासी दिखाई देती है जो ऊपर से नीचे कुण्ड तक जुड़ा हुआ है इसके विषय में भी जो जनश्रुति है की इन जलधाराओं को नागों (सरिसर्प)के द्वारा ही खुदवाया गया है, जो नागवंशी लोगों से सम्बन्ध होने का घोतक भी दिखाता है।

बालचन देवता के विषय में जो अनुश्रुति, प्राचीन काल से चली आ रही है उसे उल्लेखित करना भी आवश्यक है।

द्योल ढुंङ में कुण्ड(जलाशय) निर्मित किए जाने के विषय में अनुश्रुति इस कुण्ड का निर्माण पहले पहल साईंपोलू जिमिया गार (नदी) को रेणु नदी के नाम का उल्लेख श्री केदार विष्ट जी द्वारा 1987 के अपने लेख में किया गया था। पार के गाँव जहाँ सांई-पोलू से ऊपर स्थिति साई धुरा में देवताओं के द्वारा किया जा रहा था। जिस स्थल की सौन्दयता, भौगोलिक बनावट द्योल ढुंङ समान ही है आज साई धूरा में बिष्ट जाति के लोगों की बसासत है। यह पूर्व मे पशुओं का चारागाह स्थल भी रहा होगा। पशुचारक अपने पशुओं को चुगाने के लिए जब-तब पहुँचे होंगे। जब जलाशय के निर्माण में देवता तथा उनके गण लगे ही थे। बालचन देवता को पशुओं का देवता भी माना जाता है, जिस कारण पशुओं के लिए जलापूर्ति हेतु जलाशय का निर्माण किया जा रहा था। अचानक साई पोलू गाँव के ही बिष्ट जाति की महिला का उस स्थान पर अपने पशुओं के साथ पहुँचना, अजनबियों द्वारा किए जाने वाले दुस्साहसिक कार्य की जानकारी से हतप्रभ रह जाती है। कुछ समझ से परे था। तब देवताओं के द्वारा इस विषय की जानकारी किसी को न बताने का अनुरोध महिला से किया गया था तथा उसे मुंह मांगी वरदान प्राप्ति के लिए आग्रह किया किन्तु महिला का गाँव प्रेम आशंकित खतरे से गाँव की ओर मुंह करके जोर-जोर से आवाज देकर गाँव के लोगों को घटना से अवगत कराया जाने लगा। जिससे क्रोधित देवताओं द्वारा महिला को पाषाण शिला खण्ड में तब्दील कर दिया गया। जिसका प्रमाण साक्ष के रूप साईधूरा में आज भी है।

लोगो के कथनानुसार तब सम्प्रति साईधुरा जिमिया गार के पार क्वीरीजिमिया के द्योल ढुंङ स्थान पर कुण्ड का निर्माण किया गया। देवताओं के कोपभाजन का शिकार बिष्ट जाति के लोगों का अपने ईष्ट देव के रूप में स्वीकारते पूजा-अर्चना करने लगे।

द्योल ढङ स्थित बालचन देवता की पूजा पूर्व में केवल साईं पोलू के बिष्ट जाति के द्वारा ही की जाती थी। गाँव के लोग गाजे-बाजे के साथ क्वीरीजिमिया अवस्थित मन्दिर तक पहुँचकर पूजा आराधना करते थे। धूप-नवैध, फल-फूल, महाभोग प्रसादी चढ़ावा तथा देवतरण प्रथा भी थी। लोगों का वन देवता (बालचन) यक्ष देवता (कुण्ड), प्रकृति देवता (महापाषाण खण्ड) के रूप में असीम आस्था सदैव बनी रही थी। प्रकृति देवता को अनावृष्टि से बचाने की प्रार्थना करते रहते थे। इन्द्र देवता के रूप में भी बारिश से होने वाले कार्य से किसी प्रकार का बिघ्न बाधा न पहुँचे प्रार्थना करते थे। एक भव्य मेले का आयोजन भी होता था, जो प्रथा आज समाप्त हो चुकी है।

एक अन्य जनश्रुति सांई के निवासी बिष्ट जाति के लोग द्योल ढुंङ स्थित बालचन मन्दिर में समय समय पर सामुहिक पूजा हेतु गाजे-बाजे के जाते रहते थे मन्दिर में सात्विक पूजा-पाठ देव अवतरण भी हो या कहा जाता है कि एक बार जब मन्दिर में बाजे गाजे के साथ देव अवतरण हो रहा था तो अचानक अवतारी व्यक्ति द्वारा जलकुण्ड में छलांग लगाकर जलसमाधि ले ली गईं। सभी श्रद्धालु इस घटना से हतप्रभ रह गये क्योंकि अवतारी व्यक्ति का सम्बन्ध किसी से पिता, पुत्र, पति का मानवीय रूप में सम्बन्ध था। सभी निराशा लिए अपने घर वापस आ गए। अवतारी व्यक्ति के घर न पहुँचने पर पत्नी ने लोगों से रहस्य को बताने की अपील की तब लोगों ने घटना की सम्पूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। अपनी पति के दु:ख से द्रवित महिला को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि उसका पति उससे बिछुड़ चुका है। उसका अन्तर्मन भरोसा दिलाते रहता कि वह एक दिन अवश्य लौट कर घर आयेगा। तब से कुछ वर्षों तक पूजा-पाठ बन्द हो चुका था।

लोगों द्वारा पुन: द्योल ढङ में पूजा-अराधना किया जाने लगा तो बाजे की आवाज के साथ-साथ जलाशय का पानी हिलने लगा तब कुण्ड के बीच से लम्बी दाढ़ी मूंछें वाला जिसके शरीर पर मुंगा घास (मुलायम बारीक घास) उगे थे बाहर आ गया, जिनकी शक्ल अवतारी समाधि लेते व्यक्ति से मिलता-जुलता था। जिसे दूसरा नाम 'फूकनी बूबू' दिया गया। जलसमाधि लिए अवतारी व्यक्ति के पत्नी ने पति के रूप में स्वीकार कर लिया था जो अपने साथ दिव्य पात्र 'कांसे का कटोरा' (ब्याल) भी संग लाया था।

पति के इन्तजार में लम्बा अर्सा बीतते, महिला का धैर्य भी अब टूटने लगा था। अचानक बारह बरस बीत जाने के उपरान्त महिला का पति अवतारी व्यक्ति पुन: प्रकट हो गया। पत्नी का अपने पति प्राप्ति से प्रशन्नता कोई ठिकाना न रहा। पति के शरीर पर मुगा (बारीक घास) उगे हुए थे। पत्नी ने आदर सत्कार भोजन ग्रहणादी के पश्चात इतने समय तक कहा रहने के विषय में जानना चाहा किन्तु पति द्वारा उस विषय में किसी प्रकार की बात न करने को कहा गया। पत्नी ने अपने हठ के आगे पति को जुबान खोलने को मजबूर कर दिया। तब पति द्वारा पत्नी से अपने संग लाया कटोरे (ब्याल) में दही लाने की बात कही गई। पत्नी द्वारा दही का कांसे का बड़ा सा कटोरा (ब्याल) पति के सामने रख दिया। पति स्वरूप मानव ने दही में फूंक मारते ही स्वयं भी कटोरी में ही समाहित हो गया फिर वापस कभी नहीं आया। तब से अनुश्रुति है कि आगे फुकनि बूबू के रूप में देवतुल्य होकर चमत्कारों से प्रभावित करने लगा था। आज भी सांई पोलू गाँव में कोई भी शुभ कार्य करने से पूर्व घर में स्थापित फूकनी बूबू का पूजा-अर्चना सफेद टोपी मन्दिर में चढ़ाये जाने का रीति-रीवाज है।

फूकनि बूबू द्वारा भेंट दिव्य पात्र जो लोगों के लिए वरदान स्वरूप बन गया था। धूप व वर्षा के रूप में लोगों कथन-जब गाँव में कोइ शुभ कार्य के दिन बारीष की सम्भावना पर बारीष को रोकने हेतु तुरन्त कटोरी को सुल्टा (सीधा) कर दिया जाता था, तुरंत मौसम सुहावना, धूप खिलने लगती थी तथा यदि कृषि हेतु बारिश की आवश्यकता होती तो कटोरी को उल्टा कर दिया जाता था. आसमान से बारीश होने लगती थी। चमत्कारी कटोरी का रहस्य के विषय में आसपास के गाँवों के लोगों को आज भी भली-भांति मालूम हैं कि फूंकनी बूबू का कटोरा कितना चमत्कारी था। सदियों का इतिहास, कथा-कहानी जनश्रुति के परम्पराओं ने आज भी लोगों के दिलों में अपना स्थान बनाया है।

पूर्व का जिमिया गाँव जो तीस-चालीस 40 वर्ष पहले आपदा की भेंट चढ़ गया है। जिस क्षेत्र की उपजाऊ कृषि आलू, राजमा, राई-गौबी मूली सब्जीयां पूरे क्षेत्र में एक अलग नाम क्वीरीजिमिया का होता था। आज केवल क्वीरी गाँव अपने पुराने अस्तित्व को बचाए है। कभी दो बैल की जोड़ी के समान दो गाँव दो होते हुए भी एक जैसे थे। जोडी की विछिन्ता, जोड़ीदार के बिछुड़ जोने से अकेले दूर निगाह लगाए टकटकी शून्य में अपने साथी को निहारते क्वीरी गाँव कल्पनातीत हो जाता है। उसे ऐसा लग रहा है कि कहीं मेरा मित्र भी देव कोपभाजन का शिकार तो नहीं हो गया? जिमिया गाँव में कोई भी सम्भावित आपदा की गुंजाइश ही नहीं थी। चारों ओर से बाज, बुरांश, खरसु तिमसू, निगार के घने जंगलों से घिरा जिमिया गाँव इस तरह भरभराकर कुछ ही समय में सारा गाँव जमीदोज हो जाना इतिहास के पन्नों को भी उलट-पलट देता है।

आज जिमिया गाँव के अधिकांश निवासी अपने गाँव को छोड़कर अन्यत्र भी चले गए हैं किंतु कुछ असहाय, गरीब तथा कुछ वे लोग जो अपने गाँव से आत्मीयता से घनिष्ठ सम्बन्ध रखत थे, वे आज भी गाँव के आस-पास बंजर भूमि को आवाद कर अपनी वसासत बनाने में कामयाब हो गए हैं। मेहनत मजदूरी, कृषि,पशुपालन, कार्य कर अपनी आजिविका को साधन बनाकर जीवटता से जीवन व्यतीत करते हैं। द्योल ढुंङ (देववल पाषाण खण्ड) शाब्दिक अर्थ 'देवताओं का पत्थर' है। क्वीरीजिमिया से लगभग तीन, चार किमी दूरी पर स्थित है। जिसकी सिन्धु तल से ऊंचाई लगभग 5000 फिट है। जिसे मुनस्यारी का खूबसूरत पर्यटन व धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। द्योल ढुंङ से ही पर्वतारोहियों के लिए ट्रेकिंग रूट हीरामणि ग्लेशियर, हिमानी नामिक जाने का भी आसान रास्ता है। पर्वतारोही इस मार्ग से अपना अभियान चलाते रहते हैं। आलेखन के लेखन में क्वीरी निवासी प्राध्यापक श्री भगत सिंह पछाई, श्री गोकुल सिंह लस्पाल इंस्पेक्टर आईटीबीपी, मूल निवासी सांई-पोलू के महत्वपूर्ण सहयोग से अतीत की जानकारियां को आप तक पहुँचाने में कामयाब हो सका हूँ। अतीत के सांस्कृतिक परम्पराओ को लिपिबद्ध कर संजोए रखना हम सभी का कर्तव्य बनता है. किसी को ठेस पहुंचाना नहीं है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'कालयुक्त' नाम संवत्सर २०८१ विक्रमी प्रारम्भ होने की शुभकामनाओं के साथ-

भोला भट्ट
पूर्व ब्लाक प्रमुख
कमलुवागांजा रोड
हल्द्वानी

डा. हेमन्त मर्तोलिया
प्रभारी,
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र
भीमताल
(नैनीताल)

मै. ज्वाला प्रसाद एंड सन्स
सदर बाजार
रानीखेत

गिरीश चन्द्र जोशी
बाड़ेछीना
(अल्मोड़ा)

न तेरा न मेरा **Thats**
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर
घर का सा
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)